Widinibou Charengna / Oral Narratives as Documents for the Study of Cultural Heritage in Liangmai Naga Society

Lisa Lomdak / A Study on Oral Literatures of Arunachal Pradesh: Challenges for Research and Documentation

Tea: 4.30 p.m.

5.00 p.m. Poster Session on Creation Myths & Various Folk Themes

September 20, 2016

Session III: Creation Myths: Narrations – 9.30 – 11.30 a.m.

Chair/Coordinator **Samar Sinha**

Narrations in Lepcha, Limboo, Rai, Magar, Bhutia, Newari, Yakha, and Majhi

Tea: 11.30 a.m.

Session IV: Creation Tales and Other Allied Areas – 12.00 – 1.30 p.m.

Chair **Pratap Chandra Pradhan**

Papers **Charisma K. Lepcha** /Lepcha Creation Story and the Changing Face of Kanchenjunga Landscape

Ash Bahadur Subba / The Limboo Mundhum as an Oral Epic

Suman Bantawa / Samkaalin Nepali Kavitaama Janjaatiya Mithakko Prayog Sandarbh

Lunch: 1.30 p.m.

Session V: Aspects of Oral and Folk Literature and Problems of Translation – 2.30 – 4.30 p.m.

Chair **Mahendra Kr. Mishra**

Papers **Jayita Sengupta** /Memory, Orality, Literacy and Translation

Kabita Lama /Maukhik Evam Lok Sahityama Balkhel Geetko Mehetwatatha Anuvaad ka Samasyarooh

Sayantan Dasgupta / Translating Lepcha and Tamang Traditions

Yanbeni S Yanthan / Constituencies of Translation and Perils of Customization: Folklore of the Kyong (Lotha) Nagas

Tea: 4.30 p.m.

5.00 p.m. Cultural Performance

RSVP: 011-23386626/27/28
Local Contact : 09832066182
Email: secretary@sahitya-akademi.gov.in

साहित्य अकादेमी

द्वारा

सिक्किम विश्वविद्यालय

के सहयोग से आयोजित

वाचिक साहित्य की ओर

राष्ट्रीय संगोष्ठी में आप सादर आमंत्रित हैं

19–20 सितंबर 2016

स्थान : बरद सदन सभाकक्ष, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक

कार्यक्रम

सोमवार, 19 सितंबर 2016

उद्घाटन सत्र : पूर्वाह्न 9.30–11.15 बजे

स्वागत भाषण **के. श्रीनिवासराव**
सचिव, साहित्य अकादेमी

आरंभिक वक्तव्य **अन्विता अब्बी**
निदेशक, वाचिक एवं जनजातीय साहित्य केंद्र, साहित्य अकादेमी

अध्यक्ष **टी.बी. सुब्बा**
कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय

बीज भाषण **महेंद्र कुमार मिश्र**
प्रख्यात लेखक और लोक साहित्यविद्

धन्यवाद ज्ञापन **कविता लामा**
संयोजिका, आयोजन समिति

चाय : पूर्वाह्न 11.15 बजे

प्रथम सत्र : वाचिक साहित्य के बारे में मिथ और तथ्य : पूर्वाह्न 11.30–अपराह्न 1.30 बजे

अध्यक्ष **एच. कमखेंथाङ**
निदेशक, एनईसीओएल, इंफाल

आलेख **अबरोना एडेन ली पांडी** /लेप्चा वाचिक साहित्य एवं विस्मृति से उबरना

पकिनज़िनलियु छावांग/वाचिक साहित्य संबंधी मिथकों का विखंडन

बलराम उप्रेती /वाचिक साहित्य को मलिन करने वाले मिथक : ग़लतियों की त्रासदी

भोजन : अपराह्न 1.30 बजे

द्वितीय सत्र : उत्तर–पूर्व की अलिखित भाषाएँ तथा वाचिक साहित्य : अपराह्न 2.30–4.30 बजे

अध्यक्ष **अन्विता अब्बी**

आलेख **श्रद्धांजलि तमाङ**/दार्जीलिङ और सिक्किम हिमालयी क्षेत्र में देशी थांबा परंपरा

पुष्पा रेणु भट्टाचार्य/एक लोककथा के माध्यम से खेल्मा में पशु संसार के प्रति सांस्कृतिक मनोवृत्ति का चित्रण

डी. मैरीकिम हॉकिप/पूर्वोत्तर भारत के थाडौ–कुकी में मुहावरों की विशिष्टता

विडिनिबू चारेङना/लियाङमय नागा समाज की सांस्कृतिक विरासत के अध्ययन के लिए अभिलेख के रूप में वाचिक आख्यान

लीज़ा लोमडाक/अरुणाचल प्रदेश के वाचिक साहित्य का अध्ययन : शोध एवं अभिलेखन की चुनौतियाँ.

चाय : अपराह्न 4.30 बजे

सायं 5.00 बजे सृजन मिथक और विभिन्न लोक तत्वों पर आधारित पोस्टर सत्र

मंगलवार, 20 सितंबर 2016

तृतीय सत्र : सृजन कथाएँ : कथा वाचन : पूर्वाह्न 9.30–11.30 बजे

अध्यक्ष /संयोजक **समर सिन्हा**

भाषाएँ लेप्चा, लिम्बू, राई, मगर, भूटिया, नेवाड़ी, याख एवं माझी

चाय : पूर्वाह्न 11.30 बजे

चतुर्थ सत्र : सृजन कथाएँ और अन्य संबंधित क्षेत्र : मध्याह्न 12.00–अपराह्न 1.30 बजे

अध्यक्ष **प्रताप चंद्र प्रधान**

आलेख **करिश्मा के. लेप्चा** /लेप्चा सृजन कथाएँ और कंचनजंगा का बदलता हुआ भूगोल

ऐश बहादुर सुब्बा/वाचिक महाकाव्य के रूप में लिम्बू मुंदुम

सुमन बांतवा/समकालीन नेपाली कविता में जनजातीय मिथकों के प्रयोग संदर्भ

भोजन : अपराह्न 1.30 बजे

पंचम सत्र : वाचिक एवं लोक साहित्य के पक्ष तथा अनुवाद की समस्याएँ : अपराह्न 2.30–4.30 बजे

अध्यक्ष **महेंद्र कुमार मिश्र**

आलेख **जयिता सेनगुप्त** / स्मृति, वाचिकता, साक्षरता और अनुवाद

कविता लामा / मौखिक एवं लोक साहित्य में बाल–खेल गीतो का महत्त्व तथा अनुवाद की समस्याएँ

सायंतन दासगुप्त / लेप्चा और तमाङ परंपराओं के अनुवाद

यानबेनी एस. यांथन / अनुवाद के परिक्षेत्र तथा अनुकूलन की समस्याएँ : ख्योङ (लोथा) नागाओं की लोक सहित्य

चाय : सायं 4.30 बजे

सायं 5.00 बजे सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

उत्तरापेक्षी : 011-23386626/27/28
(स्थानीय) 09832066182
ई–मेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in

Sahitya Akademi
in association with Sikkim University
invites you for the National Seminar on
Route to Oral Literature
on September 19th & 20th, 2016.
Venue: Barad Sadan Conference Hall, Sikkim University

Programme

September 19, 2016

Inaugural Session: 9.30 - 11.15 a.m.

Welcome Address **K. Sreenivasarao**
Secretary, Sahitya Akademi

Introductory Address **Anvita Abbi**
Director, Centre for Oral and Tribal Literature, Sahitya Akademi

Chair **Tanka Bahadur Subba**
Vice Chancellor, Sikkim University

Keynote Address **Mahendra Kumar Mishra**
Eminent writer and scholar in Indian Folklore

Vote of Thanks **Kabita Lama**
Convener, Organising Committee

Tea: 11.15 a.m

Session I: Myths and Facts about Oral Literature 11.30 a.m. - 1.30 p.m.

Chair **H. Kamkhenthang**
Director, NECOL, Imphal

Papers **Abrona Aden Lee Pandi** / Lepcha Oral Literature and Overcoming Amnesia

Pakinzinliu Chawang / De-mythification' of myths about oral literature

Balram Uprety/The Tragedy of Errors: 'Myths' that Malign Oral Literature

Lunch: 1.30 p.m.

Session II: Unwritten Languages of North-East & Oral Literature - 2.30 - 4.30 p.m.

Chair **Anvita Abbi**

Papers **Shradhanjali Tamang** / The Indigenous Thamba Tradition in Darjeeling and Sikkim Himalayas

Pushpa Renu Bhattacharyya / A Reflection of Cultural Attitudes Towards Animal World in Khelma Through a Folk Tale

D. Marykim Haokip / The Significance of Proverbs Among the Thadou-Kukis of North east India